

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)

प्रश्न 1. "लंका पदतल शतदल" पंक्ति में महाकवि निराला जी ने श्रीलंका की अवस्थिति को किस रूप में कल्पित किया है?

- (क) भारतमाता के सिर पर सजे हुए एक सफ़ेद मुकुट के समान।
- (ख) भारतमाता के गले में सुशोभित होने वाले गंगा के हार के समान।
- (ग) भारतमाता के पवित्र चरणों में अर्पित एक सुंदर कमल के पुष्प के समान।
- (घ) खेतों में लहलहाने वाली सुनहरी फसल के समान।

प्रश्न 2. कविता के संदर्भ में 'प्राण प्रणव ओंकार' पंक्ति भारतमाता की किस विशिष्टता को प्रतिपादित करती है?

- (क) केवल भारत की औद्योगिक और सैन्य शक्ति को।
- (ख) भारत की प्राचीन आध्यात्मिक चेतना, ज्ञान-परंपरा और जीवन-दर्शन को।
- (ग) भारत की नदियों के बढ़ते हुए जल प्रदूषण को।
- (घ) विदेशी भाषाओं की नकल करने की प्रवृत्ति को।

प्रश्न 3. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason Questions):

- **कथन (A):** महाकवि निराला ने भारत के वस्त्रों (वसन) के रूप में 'तरु-तृण-वन-लता' का सजीव चित्रण किया है।
 - **कारण (R):** वे इसके माध्यम से देशवासियों को अपनी प्रकृति, वनस्पति और पर्यावरण के संरक्षण का सर्वोच्च सांस्कृतिक संदेश देना चाहते हैं।
- (क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।
 (ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।
 (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।
 (घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 4. पाठ में आए व्याकरणिक सामासिक पदों का उनके सही समास-विग्रह के साथ उचित मिलान (Match the Following) कीजिए:

स्तंभ 'क' (समस्त पद)
(1) सागरजल
(2) शतदल
(3) ज्योतिर्जल
(4) शतमुख

स्तंभ 'ख' (सटीक समास विग्रह)
(अ) ज्योति (प्रकाश) रूपी जल या ज्योति से युक्त जल
(ब) सौ मुख हैं जिसके अर्थात् भारतमाता (विशेष चेतना)
(स) सागर का जल
(द) शत (सौ) दलों या पंखुड़ियों का समूह

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 5. छायावादी रचनाकारों में सबसे पहले 'मुक्त छंद' (Free Verse) का सफल प्रयोग करने वाले कवि का नाम लिखिए।

उत्तर -

.....

प्रश्न 6. 'शस्य' शब्द का संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार क्या अर्थ होता है?

उत्तर -

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 7. "मुकुट शुभ्र हिम-तुषार" पंक्ति के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हिमालय को भारत का मुकुट क्यों कहा गया है?

उत्तर -

प्रश्न 8. मैथिलीशरण गुप्त की कविता "जय जय भारतमाता" के अनुसार हिमालय के हृदय में 'कितना दरद भरा' होने का क्या प्रतीकात्मक भाव है?

उत्तर -

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 9. "भारति, जय, विजयकरे!" कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि निराला जी ने भारत को केवल एक मिट्टी का भूखंड न मानकर एक जाग्रत चेतन ईश्वरीय सत्ता के रूप में प्रतिष्ठित किया है।

उत्तर -

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 10. आज के आधुनिक युग में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण गंगा का 'ज्योतिर्जल' और हिमालय का 'हिम-तुषार' संकट में हैं। इनके संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए छात्रों के स्तर पर चलाई जाने वाली एक ५ सूत्रीय कार्य-योजना (Action Plan) तैयार कीजिए।

उत्तर -

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

1. **उत्तर:** (ग) भारतमाता के पवित्र चरणों में अर्पित एक सुंदर कमल के पुष्प के समान।
2. **उत्तर:** (ख) भारत की प्राचीन आध्यात्मिक चेतना, ज्ञान-परंपरा और जीवन-दर्शन को।
3. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।
4. **उत्तर मिलान:** (1) -> (स), (2) -> (द), (3) -> (अ), (4) -> (ब)।
5. **उत्तर:** मुक्त छंद का सबसे पहले प्रयोग करने वाले महान कवि **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** हैं।
6. **उत्तर:** 'शस्य' शब्द का अर्थ खेतों में लहलहाने वाली **उपज, पैदावार या फसल** होता है।
7. **उत्तर:** क्योंकि हिमालय भारत के उत्तर में सर्वोच्च स्थान पर स्थित है और उसकी ऊंची चोटियाँ साल-भर सफ़ेद बर्फ (हिम-तुषार) से ढकी रहती हैं, जो देखने पर भारतमाता के सिर पर सजे चांदी के उज्ज्वल मुकुट जैसी दिव्य दिखाई देती हैं।
8. **उत्तर:** गुप्त जी के अनुसार, हिमालय अपने भीतर भीषण कड़वाहट या आग (कठिनाइयाँ) दबाकर भी सौ सोतों (नदियों) के माध्यम से हमें मीठा जल देता है और उत्तर भारत के मैदानों को सदा हरा-भरा रखता है, जो उसके परोपकारी और करुणामयी 'दरद' (पीड़ा) को दर्शाता है।
9. **उत्तर:** निराला जी ने भारत का पूर्णतः मानवीकरण किया है। वे दर्शाते हैं कि भारत कोई जड़ भूमि नहीं है; उसके वस्त्र वन और लताएँ हैं, उसका हार गंगा की श्वेत धारा है, और उसका मुकुट हिमालय है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके भीतर 'ओंकार' रूपी जीवंत प्राण धड़कते हैं और उसकी दिशाएँ उदार विचारों और सैकड़ों मुखों से निकलने वाली कल्याणकारी ध्वनियों (शतरव) से मुखरित हैं, जो उसे एक जाग्रत वैश्विक चेतन सत्ता सिद्ध करती हैं।
10. **उत्तर: पर्यावरण संरक्षण कार्य-योजना (Action Plan):**
 - १. **सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पूर्ण रोक:** विद्यालय और पिकनिक के दौरान नदियों (जैसे गंगा) के घाटों पर प्लास्टिक कचरा या बोतलें न फेंकना।
 - २. **सघन वृक्षारोपण (तरु-तृण संवर्धन):** अपने जन्मदिन या विशेष अवसरों पर प्रतिवर्ष कम से कम दो पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना।
 - ३. **जल साक्षरता अभियान:** अपने घर और पड़ोस में पीने के पानी की बर्बादी को रोकना ताकि नदियों का जल स्तर बना रहे।
 - ४. **कार्बन फुटप्रिंट को कम करना:** स्थानीय स्तर पर प्रदूषण घटाने के लिए निजी वाहनों के बजाय साइकिल या सार्वजनिक वाहनों (Public Transport) का उपयोग करना, जिससे ग्लेशियरों का पिघलना धीमा हो सके।
 - ५. **सामुदायिक जागरूकता (बाल-सभा):** नुक्कड़ नाटकों और पोस्टरों के माध्यम से लोगों को 'प्रकृति की रक्षा ही देश की रक्षा है' के प्रति जागरूक करना।



Section A: अपठित गद्यांश एवं भाषा-बोध (Comprehension & Grammar)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखिए: > "राष्ट्रीय चेतना का उत्थान केवल नारों से नहीं, बल्कि देश की प्रकृति, उसकी भाषाई विविधता और अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर के प्रति अगाध आदर रखने से होता है। सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'भारति, जय, विजयकरे!' इसी सार्वभौमिक चेतना का अनुपम उदाहरण है। भारत की यह भूमि जहाँ 'कनक-शस्य' के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, वहीं सैकड़ों मुखों से निकलने वाले इसके विविध विचार (शतरव) 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की लोकतांत्रिक भावना को पुष्ट करते हैं। नदियों और हिमालय का संरक्षण करना केवल एक भौगोलिक आवश्यकता नहीं, बल्कि हमारी गौरवमयी संस्कृति के मुकुट और हार की रक्षा करने जैसा हमारा परम राष्ट्रीय कर्तव्य है।"

प्रश्न 1. गद्यांश के अनुसार, भारत के 'शतरव' (सैकड़ों विचार/ध्वनियाँ) किस महान संकल्पना को पुष्ट करते हैं?

- (क) केवल विदेशी संस्कृतियों की अंधाधुंध नकल करने की प्रवृत्ति को।
- (ख) 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की लोकतांत्रिक और समतावादी भावना को।
- (ग) नदियों में बढ़ने वाले कचरे और औद्योगिक प्रदूषण को।
- (घ) केवल गद्यांश की सीमाओं को संकुचित करने को।

प्रश्न 2. कविता में आए 'गर्जितोर्मि' शब्द का सही संधि-विच्छेद और अर्थ क्या होगा?

- (क) गर्ज + तोर्मि = शांत समुद्र।
- (ख) गर्जित + ऊर्मि = गर्जना करती हुई समुद्र की तरंगें या लहरें।
- (ग) गर्ज + तोरौ = संबंध तोड़ना।
- (घ) गर्जि + तोमर = युद्ध का एक अस्त्र।

प्रश्न 3. "मुकुट शुभ्र हिम-तुषार" पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

- (क) उपमा अलंकार
- (ख) अनुप्रास अलंकार
- (ग) रूपक अलंकार (हिमालय पर मुकुट का अभेद आरोप होने के कारण)
- (घ) अतिशयोक्ति अलंकार

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 4. "स्तव कर बहु-अर्थ-भरे"—इस पंक्ति के अनुसार भारतमाता का चरण-वंदन अपनी गरजती तरंगों से कौन कर रहा है?

उत्तर -

प्रश्न 5. पाठ के शब्द-संपदा के अनुसार 'धवल' और 'शुचि' शब्दों के प्रामाणिक अर्थ लिखिए।

उत्तर -

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 6. "अंचल में खचित सुमन" पंक्ति के माध्यम से कवि निराला जी ने भारतमाता के स्वरूप का क्या कलात्मक चित्र खींचा है?

उत्तर -

.....

.....

.....

प्रश्न 7. "कनक-शस्य-कमलधरे!" पंक्ति भारत के कृषकों और श्रमिकों के किस सौंदर्य को उजागर करती है?

उत्तर -

.....

.....

.....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 8. "बढ़ते प्रदूषण और वैश्विक तापमान ने हमारी नदियों और हिमालय को किस प्रकार प्रभावित किया है?" पाठ के सौंदर्य को ध्यान में रखते हुए वर्तमान वैश्विक संकट पर एक तार्किक समीक्षा लिखिए।

उत्तर -

.....

.....

.....

.....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 9. "समूचे जनसमूह में भाषा और भाव की एकता और सौहार्द का होना अच्छा है" — हजारीप्रसाद द्विवेदी। इस कथन के आलोक में, अपने विद्यालय की 'बाल-सभा' के माध्यम से देश की बहुभाषिकता और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करने के लिए आप कौन-से ५ व्यावहारिक कदम उठाएंगे?

उत्तर -

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 02)

1. **उत्तर:** (ख) 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की लोकतांत्रिक और समतावादी भावना को।
2. **उत्तर:** (ख) गर्जित + ऊर्मि = गर्जना करती हुई समुद्र की तरंगें या लहरें।
3. **उत्तर:** (ग) रूपक अलंकार (हिमालय की चोटियों पर मुकुट का अभेद आरोप होने के कारण)।
4. **उत्तर:** विशाल महासागर का जल अपनी गर्जना करती हुई तरंगों (गर्जितोर्मि) से भारतमाता का चरण-वन्दन कर रहा है।
5. **उत्तर:** * धवल: सफ़ेद, स्वच्छ, निर्मल या सुंदर।
- **शुचि:** पवित्र, शुद्ध, निर्मल, निश्छल या निष्कपट।
6. **उत्तर:** कवि ने भारत की धरती का मानवीकरण किया है। भाव यह है कि भारत की धरती पर खिले हुए रंग-बिरंगे सुंदर फूल (सुमन) भारतमाता के हरे वस्त्रों के विशाल आँचल में जड़े हुए चमकीले सितारों या सुंदर रत्नों के समान दिखाई देते हैं।
7. **उत्तर:** यह पंक्ति भारत की कृषि-परंपरा और श्रम के सौंदर्य को दर्शाती है। 'कनक-शस्य' (सोने जैसी फसलें) सीधे तौर पर हमारे देश के किसानों के कड़े श्रम, त्याग और धरती माँ की उर्वरा शक्ति के अद्भुत सामंजस्य को प्रकट करती है।
8. **उत्तर:** आज बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण निराला जी द्वारा वर्णित भारत के ये सुंदर आभूषण गंभीर खतरे में हैं। वैश्विक तापमान बढ़ने से हिमालय के ग्लेशियर बहुत तेज़ी से पिघल रहे हैं, जिससे 'मुकुट शुभ्र हिम-तुषार' की धवलता और ऊंचाई संकट में है। दूसरी ओर, कारखानों के रासायनिक कचरे और प्लास्टिक के कारण नदियों का 'ज्योतिर्जल' संदूषित हो रहा है। यह संकट न केवल पर्यावरण को नष्ट कर रहा है, बल्कि हमारी पूरी कृषि व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और सदियों पुरानी नदी-संस्कृति के अस्तित्व के लिए एक गंभीर वैश्विक चुनौती है।
9. **उत्तर:** बहुभाषिकता व सौहार्द संवर्धन योजना:
 - १. **बहुभाषी प्रार्थना सभा (भाषा संगम):** विद्यालय की दैनिक प्रार्थना सभा में प्रति सप्ताह अलग-अलग भारतीय भाषाओं (जैसे- मराठी, तमिल, बांग्ला, पंजाबी) के सुविचारों और गीतों का सामूहिक वाचन करना।
 - २. **सांकेतिक पोस्टर प्रदर्शनी:** विद्यालय के गलियारों में चार्ट के माध्यम से विभिन्न प्रांतीय भाषाओं के समान अर्थ वाले प्यारे शब्दों (जैसे- शस्य/फसल/पीक) का सुंदर प्रदर्शन करना।
 - ३. **कुरुचिपूर्ण भाषा का निषेध:** विद्यालय परिसर में किसी भी छात्र द्वारा किसी अन्य क्षेत्र, जाति या भाषा का उपहास उड़ाने वाले शब्दों के प्रयोग पर पूर्ण कड़ा प्रतिबंध लगाना।
 - ४. **सांस्कृतिक कोलाज प्रतियोगिता:** राष्ट्रीय उत्सवों पर भारत के विभिन्न राज्यों के पर्वों, पहनावे और रीति-रिवाजों को प्रदर्शित करने वाली चित्रमयी कोलाज व चार्ट प्रतियोगिता आयोजित करना।
 - ५. **सर्वधर्म समभाव प्रतिज्ञा:** बाल-सभा के माध्यम से प्रत्येक छात्र द्वारा 'हम भारत के सभी नागरिकों की भाषाओं, खान-पान और संस्कृतियों का पूर्ण हृदय से सम्मान करेंगे' की सामूहिक प्रतिज्ञा लेना।

